

गुनाहों की माफ़ी के लिए कुर्बानी

तौरत : आलिम-ए-दीन का कानून 5:17-19

अगर कोई वो काम करता है जो अल्लाह ताअला के हुक्म के खिलाफ है चाहे उससे वो गुनाह अनजाने में ही हो गया हो, फिर भी उस को गुनाहगार समझा जाएगा और वो उसका ज़िम्मेदार होगा।⁽¹⁷⁾ उनको अपने गुनाहों की माफ़ी के लिए अपने जानवरों में से कुर्बानी के लिए एक बकरा मज़हबी रहनुमा को देना होगा।^[a] ये बकरा सही कीमत का हो और इसमें कोई ऐब भी नहीं होना चाहिए।⁽¹⁸⁾ इस तरह से मज़हबी रहनुमा इनके उस गुनाह का कफ़ारा देंगे जो उन्होंने अनजाने में अल्लाह ताअला के खिलाफ़ किया है।⁽¹⁹⁾

[a] उन लोगों के लिए भेड़-बकरियाँ ही उनकी जमा पूँजी थीं। उनको इस बात से डराया गया कि अगर वो गुनाह करेंगे तो उनको अपना एक जानवर कुर्बानी के लिए देना होगा ताकि वो लोग गुनाह से दूर रहें.